

NCERT SOLUTIONS

CLASS - 11th



aglasem.com

Class : 11th

Subject : History

Chapter : 5

Chapter Name : यायावर साम्राज्य

Q1 मंगोलो के लिए व्यापार इतना महत्वपूर्ण क्यों था?

Answer. मंगोल मौलिक रूप से मध्य एशिया की खानाबदोश परंपरा से संबंधित थे जिन्होंने चंगेज खान के नेतृत्व में पार महाद्वीपीय साम्राज्य की स्थापना की थी। यायावरी समाज और राजनीति का संगठन कृषि अर्थव्यवस्थाओं पर आधारित नहीं था लेकिन इससे परिचित जरूरत थे और उनको संसाधनों के लिए स्टेपी क्षेत्र और चीन के स्थाई निवासियों के पास जाना पड़ता था। जिसका यह दोनों ही क्षेत्र पूरा फायदा उठाते थे। इसके अलावा प्रायः इनमें आपसी संघर्ष की स्थितियां भी बनी रहती थी। आगे संघर्ष इतना बढ़ा कि चीन को अपने कृषि संसाधनों की सुरक्षा के लिए 'चीन की महान दीवार' का निर्माण करना पड़ा। अतः मंगोलो के लिए प्राकृतिक संसाधनों और साम्राज्य विस्तार की नीति से व्यापार महत्वपूर्ण हो गया।

Page : 122 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q2 चंगेज खान ने यह क्यों अनुभव किया कि मंगोल कबीलों को सामाजिक और सैनिक इकाइयों में विभक्त करने की आवश्यकता है?

Answer. अपने शासन के आरंभिक दिनों में चंगेज खान को बहुत सी समस्याओं का सामना करना पड़ा। उसके पिता की अल्पायु में ही हत्या कर दी गई थी और उसकी माता ने उसका और उसके सगे भाइयों का लालन-पालन बहुत कठिनाई से किया था। उसकी पत्नी बोरेट का भी विवाह के उपरांत अपहरण कर लिया गया था। प्रतिशोध के लिए ग्यारह सौ अस्सी और नब्बे के दशक में अनेक कबीलों के विरुद्ध युद्ध लड़े। लोगों ने उसकी वीरता से प्रभावित होकर उसे 'समुद्री खान' या 'महानायक' घोषित किया। इसके उपरांत 1206 में साम्राज्य विस्तार की इच्छा से उसने एक अनुशासित सैन्य शक्ति का निर्माण किया। मंगोल समाज के स्वरूप में उसने व्यापक परिवर्तन किये और विश्वविजय के अभियान की तरफ बढ़ा। इन समाजों में पहले से ही वयस्क हथियारबंद सदस्य हुआ करते थे जो आवश्यकता पड़ने पर सशस्त्र सेना में बदले जा सकते थे। चंगेज खान ने विभिन्न मंगोल जनजातियों को एकत्रित करके अपनी सेना का निर्माण किया था।

Page : 122 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q3 यास के बारे में परवर्ती मंगोलो का चित्रण किस तरह चंगेज खान की स्मृतिति के साथ जुड़े हुए उनके तनावपूर्ण संबंधों को उजागर करता है?

Answer. अपने प्रारंभिक स्वरूप में यास को यासक लिखा जाता था, इसका पर्याय विधि आज्ञाप्ति या आदेश से निकट था। 1206 में चंगेज खान द्वारा एकीकृत सेना के निर्माण में महान खान ने इसका प्रयोग किया था। यह उन जटिल विधियों का वर्णन करता है जो महान खान की स्मृति को बनाए रखने के लिए उसके उत्तराधिकारी प्रयोग में लाते थे। इसे चंगेज खान की विधि संहिता के रूप में भी जाना जाता है। निश्चित रूप से सावधान से उसे आशातीत सफलताएं भी प्राप्त हुईं किंतु उसकी मृत्यु के उपरांत सभ्य जातियों के आगमन से इस व्यवस्था को जारी नहीं रखा जा सका निश्चित रूप से यह उसके वंशजों में साम्राज्य के आपसी संघर्ष का परिणाम था।

Page : 122 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q4 यदि इतिहास नगरों में रहने वाले साहित्यकारों के लिखित विवरण ऊपर निर्भर करता है तो यायावर समाजों के बारे में हमेशा प्रतीक विचार ही रखे जाएंगे क्या आप इस कथन से सहमत हैं? क्या आप इसका कारण बताएं कि फारसी इतिवृत्तकारों ने मंगोल अभियानों के मारे गए लोगों की इतनी बड़ा- चढ़ाकर संख्या क्यों बताई है?

Answer. निश्चित रूप से यह कहा जा सकता है कि यदि इतिहास नगरों में रहने वाले साहित्यकारों द्वारा लिखित विवरणों पर निर्भर करेगा तो यायावर समाजों के बारे में हमेशा प्रतिकूल विचार रखे जाएंगे। इसके कारण इतिहासकारों को संरक्षण प्राप्त होने पर या न होने पर निर्भर करते हैं। मंगोलो द्वारा इतिहासकारों को प्रायः संरक्षण प्राप्त नहीं था, ऐसे में कई जगहों पर उनके द्वारा किए गए अभियानों में मारे गए लोगों की संख्या को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया गया और उन्हें बर्बर की संज्ञा भी दी गई है।

चंगेज खान की मृत्यु के पश्चात उसकी वंश परंपरा अलग-अलग समूहों में बंटने लगी। परिवार की परंपरा और सामंजस्य में परिवर्तन आने शुरू हो गए। इसी बीच इसी कुल की एक सदस्य शाखा टोर्लेईद में अपने पारिवारिक मतभेदों का वृत्तांत बड़ी ही कुशलता से अपने संरक्षण में प्रस्तुत किया। यह वृत्तांत बहुत हद तक चीन और ईरान से आए हुए विद्वान यात्रियों के संरक्षण में किया गया। दरबारी संरक्षण के निमित्त इन वृत्तांतों में तत्कालीन शासक को महत्वपूर्ण दिखाने का लक्ष्य ही इनका मुख्य उद्देश्य था। जैसे इल-खानी ईरान में तेरहवीं शताब्दी के आखिर में फारसी इतिहास वित्त में महान खानों द्वारा की गई रक्त रंजित हत्याओं का विस्तृत वर्णन किया गया और मृतकों की संख्या को बहुत अधिक बढ़ा चढ़ा कर दिखाया गया।

Page : 122 , Block Name : संक्षेप में उत्तर दीजिये

Q5 मंगोल और बेदोइन समाज की यायावरी विशेषताओं को ध्यान में रखते हुए यह बताइए कि आपके विचार में किस तरह उनके ऐतिहासिक अनुभव एक दूसरे से भिन्न न थे? इन भिन्नताओं से जुड़े कारणों को समझाने के लिए आप क्या स्पष्टीकरण देंगे?

Answer. मंगोलो और अरबों के यायावर समाज में मूलभूत विशेषताएँ कई कारणों से अलग थी, इस कारण इनके ऐतिहासिक अनुभव भी पृथक् रहे। बेदुइयों का विस्तार अरबी कबीलों के रूप में हुआ था धार्मिक दृष्टिकोण एवं सामाजिक व्यवस्था के विस्तार में यह मंगोलों से सर्वथा भिन्न थे प्रायः यह अपने ऊंटों के चारे और खजूर की तलाश में सूखे क्षेत्रों से हरे क्षेत्रों की तरफ आया जाया करते थे। मक्का की ख्याति बढ़ने से इन खानाबदोश पशुचारकोण का तीर्थ यात्रियों और व्यापारियों से संपर्क हुआ और आगे पैगंबर मुहम्मद की उपलब्धियों से प्रभावित होकर बेदुइयों ने इस्लाम धर्म को अपना लिया।

मध्य एशिया के मंगोलों के द्वारा यायावर समाज की स्थापना की गई थी। 13वीं शताब्दी तक यह साम्राज्य चंगेज खान की अध्यक्षता में संगठित मंगोल समाज के रूप में उभरा और यूरोपीय महाद्वीप के महान साम्राज्यों के लिए चुनौती बन गया। मंगोल समाज विविध जनसमुदायों का एक संगठित निकाय बना। इसमें मुख्य रूप से स्टेपीज प्रदेश के शिकारी संग्राहक और पशुपालक समाज थे, यायावरी इनका भी उद्योग था। इनमें शिकारी संग्राहक पशुपालकों की तुलना में गरीब हुआ करते थे। उन्होंने कृषि के संसाधनों का विकास नहीं किया। अतः अन्य संसाधनों के लिए वे अपने समीपवर्ती क्षेत्रों पर निर्भर करते थे। इसके अलावा मंगोलों का सामाजिक संगठन आर रहन सहन भी बेदुइयों से भिन्न था। भौगोलिक और भाषायी सीमाओं ने उनको संगठित होने का पर्याप्त अवसर दिया।

Page : 122 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए

Q6 तेरहवीं शताब्दी के मध्य में मंगोलिया द्वारा निर्मित 'पैक्स मंगोलिका' का निम्नलिखित विवरण उसके चरित्र को किस तरह उजागर करता है?

एक फ्रेंसिसकन भिक्षु, रुब्रुक निवासी विलियम को फ्रांस के सम्राट लुई IX ने राजदूत बनाकर महान खान मोंके के दरबार में भेजा। वह 1254 में मोंके की राजधानी कारकोरम पहुंचा और वहां वह लोरेन, फ्रांस की एक महिला पकेट के संपर्क में आया जिसे हंगरी से लाया गया था। यह महिला राजकुमार की पत्नियों में से एक पत्नी की सेवा में नियुक्ति जो नेस्टोरियन इसाई थी। वह दरबार में एक फारसी जौहरी ग्वीयोम बुशेर के संपर्क में आया। जिसका भाई पेरिस के ग्रेंड पोंट में रहता था। इस व्यक्ति को सर्वप्रथम रानी सौरगकतानी ने और उसके उपरांत मोंके के छोटे भाई ने अपने पास नौकरी में रखा। विलियम ने देखा कि विशाल दरबारी उत्सव में सर्वप्रथम नेस्टोरियन पुजारियों को उनके चिन्हों के साथ तथा इसके उपरांत मुसलमान, बौद्ध और ताओ पुजारियों को महान खान को आशीर्वाद देने के लिए आमंत्रित किया जाता था।...

Answer. प्रस्तुत अंश निश्चित रूप से मंगोल शासकों के सभी धर्मों के सम्मना के साथ-साथ अपने प्राचीन रीति-रिवाजों में गहरी आस्था को प्रकट करता है। मंगोल समाज प्रायः बहुभाषी, बहुदेववादी और बहुसांस्कृतिक था। इसके साथ ही साथ यह भी स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है कि किस तरह एक नेस्टोरीयन महिला को राजकुमार की पत्नियों के लिए सेवाआरत किया गया है, निश्चित रूप से यह मंगोल साम्राज्य की विलासिता और उनके द्वारा विविध क्षेत्रों के संपर्क को दर्शाता है। यद्यपि मंगोलों का ऐतिहासिक चित्रण बर्बर यायावर पशुचारकों एक सन्फ्रहकों के रूप में होता आया था किन्तु इसके पीछे के तथ्य अलग हैं। इस इतिहास का अंकन प्रायः नगरीय साहित्यकारों, यात्रियों और सनिकों द्वारा किया जाता था। निश्चित रूप से प्रस्तुत अंश चंगेज़ खान के वंश परंपरा के शासक और उसके भतीजे मोंके के शासन काल को चित्रित करता है। उस समय तक चंगेज़ खान की साम्राज्य विस्तार की नीतियों को विराम दिया जा चुका था। ऐसे में राजनीतिक, सामाजिक, आर्थिक और धार्मिक परिस्थितियों को स्थायित्व मिला था।

Page : 122 , Block Name : संक्षेप में निबंध लिखिए